बजट अनुमान 2001-2002

वर्ष 2001–2002 के बजट अनुमानों में वर्ष 2000–2001 के संशोधित अनुमानों की तुलना में 39,700 करोड़ रुपए की वृद्धि दिखाई देती है, आयोजना-भिन्न व्यय में वृद्धि 25,838 करोड़ रुपए है जबकि आयोजना के अधीन 13,862 करोड़ रुपए है। आयोजना-भिन्न अनुमानों में मुख्य मदों की घट-बढ़ को नीचे सारणी में दिया गया है:-

(करोड़ रुपए)

	संशोधित 2000-01	बजट 2001-02	घट-बढ़
आयोजना-भिन्न			
1. ब्याज संदाय	100667	112300	(+) 11633
2. रक्षा	54461	62000	(+) 7539
3. खाद्य सब्सिडी	12125	13675	(+) 1550
4. उर्वरक सब्सिडी	13800	14170	(+) 370
5. पेंशन	14560	15090	(+) 530
6. पुलिस	7500	8200	(+) 700
7. राज्य सरकारों को अनुदान	15702	17923	(+) 2221
8. अन्य आयोजना-भिन्न व्यय	30470	31766	(+) 1296
जोड़ (आयोजना-भिन्न) व्यय	**249285**	**275123**	(+) **25838**

1. यह वृद्धि सरकारी व्यय के वित्तपोषण के लिए ऋण संसाधनों पर बनी हुई निर्भरता के कारण है। वृद्धिकारी व्यय की आवश्यकता मुख्यतः वर्ष 2000-2001 के दौरान राजकोषीय घाटे की ब्याज देयताओं को पूरा करने के लिए है।

2. बढ़ी हुई यह व्यवस्था रक्षा बलों के वेतन और भत्तों तथा आधुनिकीकरण पर वर्धित व्यय को पूरा करने के लिए है।

3. वर्धित व्यवस्था अधिप्राप्ति लागत, परिवहन, भण्डारण तथा अन्य आनुषंगिक व्ययों में हुई सामान्य वृद्धि के अलावा "अन्तोदय " कार्यक्रम के कारण है।

4. यह उर्वरक खपत की आंकी गयी आवश्यकता तथा सब्सिडी योजनाओं के मानदंड तथा पैरामीटरों में समायोजन पर आधारित है।

5. यह वृद्धि मुख्यतः महंगाई राहत और सम्भावित सेवानिवृत्तियों के कारण है।

6. इसमें राज्य पुलिस बलों के सामान्य विकास तथा साथ ही आधुनिकीकरण के लिए राज्यों को दी गयी विशेष सहायता शामिल है।

7. यह वृद्धि ग्यारहवें वित्त आयोग की राज्यों को आयोजना-भिन्न अनुदानों की मात्रा तथा अप्रयुक्त हकदारियों के निष्पादन के सम्बन्ध में दी गयी सिफारिशों के अनुसार है।

8. यह वृद्धि मुख्यतः अन्य आयोजना-भिन्न व्यय में हुई सामान्य वृद्धि के कारण है।